i-NEXT PAGE 2

एलयू के विकास पर कोरोना की छाया

लखनऊ यूनिवर्सिटी में चल रहे विकास कार्य बुरी तरह हो गए प्रभावित

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(29 June): कोरोना संक्रमण के कारण लखनऊ यूनिवर्सिटी के विकासकार्य भी प्रभावित हुए हैं. करोड़ों के प्रोजेक्ट अधूरे हैं तो कई की समय सीमा ही खत्म हो चुकी है लेकिन कार्य पूरे नहीं हो सके हैं. हालांकि अब जब कोरोना की दूसरी लहर कमजोर पड़ी है तो यहां के विकास कार्य फिर धीरे-धीरे पटरी पर आते नजर आ रहे हैं. आइए जानते हैं, यहां कोरोना के कारण कौन-कौन से विकास कार्य प्रभावित हुए हैं.

फैकल्टी की बिल्डिंग अधूरी

2017 में लखनऊ यूनिवर्सिटी के सेकंड कैंपस में इंजीनियरिंग फैकल्टी का कार्य शुरू हुआ जिसे साल 2020 में पूरा होना था. जैसे ही इसके निर्माण का करीब 70 फीसद कार्य पूरा हुआ कोरोना की पहली लहर शुरू हो गई और काम बंद हो

गया. इसके बाद फिर से काम शुरू हुआ तो कोरोना की दूसरी लहर ने उस पर ब्रेक लगा दिया.

गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण

सेकंड कैंपस में 200 बेड के गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण जुलाई 2021 से पहले कर लिया जाना था. कोरोना के कारण इसका निर्माण कार्य भी अधर में है. कोरोना की दूसरी लहर के कमजोर होने के साथ ही इसका निर्माण फिर शुरू कर दिया गया है.

हॉस्टल का होना था कायाकल्प

यहां के सभी हॉस्टल का रंग-रोगन, मरम्मत, बाथरूम से लेकर टॉयलेट तक का कायाकल्प किया जाना है. वहीं बिजली, वायरिंग, लाइब्रेरी, कॉमन हॉल की भी मरम्मत की जानी है. यह काम भी रुके हुए हैं.

अब कार्य में आई तेजी

जून के पहले सप्ताह से स्थितियां सामान्य होने के बाद इन कार्यों में फिर से गति आई है. उम्मीद है कि अगस्त-सितंबर तक इसे पूरा कर स्टूडेंट को अलॉट करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी.

राज्य सरकार के बजट से कार्य

- बीरबल साहनी हॉस्टल,
- सुभाष हॉस्टल,
- गोल्डन जुबली
- कैलाश हॉस्टल
- फंड- राज्य सरकार, कुल राशि 12 करोड़

यूनिवर्सिटी फंड से कार्य

- तिलक हॉस्टल
- महमूदाबाद हॉस्टल
- हबीबुल्लाह हॉस्टल
- आचार्य नरेंद्र देव हॉस्टल
- एलबीएस

नोट- बजट करीब एक करोड़ रुपए है.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस भी पढ़ाएगा लविवि

विवि प्रशासन ने वेबसाइट पर जारी की सूचना, नए सत्र से नई ब्रांच में 60 सीटों पर लिए जाएंगे दाखिले

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय नए सत्र से बीटेक में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) की शुरुआत करने जा रहा है। साथ ही बीसीए की सीटें भी 60 से बढ़ाकर 120 कर दी गई हैं। इससे जुड़ी विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। विश्वविद्यालय की ओर से चार साल पहले न्यू कैंपस में बीटेक कोर्स की शुरुआत की गई थी। वर्तमान में वहां बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग व अप्लाइड साइंस एंड ह्यूमेनिटीज की पढ़ाई हो रही है, जहां कंप्यूटर साइंस में 120 व अन्य ब्रांच में 60-60 सीटों पर प्रवेश लिया जाता है। इसके साथ ही नए सत्र से बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की नई ब्रांच की शुरुआत होगी।

रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी सूचना के अनुसार इसमें 60 सीटों पर प्रवेश के लिए कुलपति ने स्वीकृति प्रदान की है। साथ ही बीसीए की प्रवेश क्षमता 60 सीट से बढ़ाकर 120 कर दी गई है। निदेशक इंजीनियरिंग संकाय प्रो. आरएस गुप्ता ने कहा कि वर्तमान में बीटेक में कुल 420 सीटों पर प्रवेश होता रहा है। इस बार इसमें 60 सीटों की एक आधुनिक ब्रांच जुड़ जाएगी। इसका लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा। क्योंकि हर बार प्रवेश के लिए काफी मारामारी होती है। उन्होंने बताया कि इस बार भी बीटेक में प्रवेश एकेटीयू द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रदेश स्तर की काउंसिलिंग प्रक्रिया से होगा। उन्होंने बताया कि इस बार अभी तक लगभग 200 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हो चुका है।

बीफार्मा में 100 सीटों पर प्रवेश

इसी सत्र से विश्वविद्यालय बीफार्मा व डीफार्मा में भी प्रवेश ले रहा है। डीफार्मा की 60 सीटों में प्रवेश विश्वविद्यालय अपने स्तर पर ले रहा है, जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन भी शुरू हो गए हैं। वहीं, बीफार्मा की 100 सीटों पर प्रवेश भी एकेटीयू की प्रवेश काउंसिलिंग से किया जाएगा। इसके बारे में जल्द विस्तृत सूचना जारी की जाएगी।

दूर हुई फीस की गड़बड़ी, आवेदन शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर बीएससी बायो व मैथ की फीस में गड़बड़ी मंगलवार को ठीक कर दी गई है। इसके साथ ही ऑनलाइन आवेदन भी शुरू कर दिए गए है। विश्वविद्यालय में सोमवार को विद्यार्थियों द्वारा नए सत्र की फीस जमा की जा रही थी, जिसमें बीएससी चौथे सेमेस्टर की फीस 4,227 की बजाए वेबसाइट पर 10,227 दिख रही थी। विद्यार्थियों ने ट्वीट कर इसकी शिकायत कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से की। प्रो. राय ने इसका संज्ञान लेते हुए विद्यार्थियों को जल्द इस समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। इस क्रम में विवि के यूडीआरसी की ओर से मंगलवार को इस समस्या को ठीक किया गया। जानकारी के अनुसार फीस की गलत फीडिंग के कारण दो कोर्स में यह दिक्कत आई। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि फीस की गड़बड़ी को दूर कर लिया गया है। विद्यार्थियों द्वारा आवेदन शुरू कर दिए गए हैं।

यूजी-पीजी, डिप्लोमा प्रवेश आवेदन की तिथि 20 जुलाई तक बढ़ी

माई सिटी रिपोर्टर

बोर्ड परीक्षा परिणाम नहीं आने से चौथी बार बढ़ानी पड़ी आवेदन तिथि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक बार फिर बोर्ड परीक्षा परिणाम नहीं आने की वजह से यूजी, पीजी व डिप्लोमा कोर्सों में प्रवेश आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी 20 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। तिथि बढ़ाने का यह चौथा मौका है। इससे पहले लॉकडाउन की वजह से तिथि बढ़ाई गई थी।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार सत्र 2021-22 के स्नातक पाठ्यक्रमों व बीएलएड, परास्नातक पाठ्यक्रमों, स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों (बीबीए व बीसीए), परास्नातक प्रबंधन पाठ्यक्रमों (एमबीए व एमटीटीएम) की आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून से बढ़ाकर 20 जुलाई कर दी गई है। विश्वविद्यालय प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इसी क्रम में बीपीएड, एमपीएड, एमएड पाठ्यक्रमों के प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि 20 जुलाई कर दी गई है। वहीं डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा, सर्टिफिकेट तथा प्रोफिशिएंसी पाठ्यक्रमों प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि भी 30 जून से बढ़ाकर 20 जुलाई कर दी गई है। प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन करने एवं विस्तृत जानकारी लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर मिलेगी।

गुजरात की मूट कोर्ट प्रतियोगिता में लविवि की टीम अव्वल

लखनऊ। लविवि विधि संकाय के एलएलबी ऑनर्स प्रथम वर्ष के छात्रों ने गुजरात की मारवाड़ी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मंगलवार को वापस लौटने पर संकाय अध्यक्ष प्रो. सीपी सिंह ने टीम में शामिल प्रतिभा खत्री, गौरव चावला एवं आरजू नायाब को पुरस्कृत किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने अपने प्रथम वर्ष में ही हाईकोर्ट के जज एवं सीनियर एडवोकेट के समक्ष मूट करके अपने व्यक्तित्व विकास का परिचय दिया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

अब 20 तक भर सकेंगे फॉर्म

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय ने कोरोना महामारी की गम्भीरता एवं लाकडाउन के कारण अभ्यर्थियों को हो रही दिक्क़तों का संज्ञान लेकर विभिन्न पाठ्यक्रमों के आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को वढ़ा दिया है । स्नातक पाठ्यक्रमों एवं वीएलएड पाठ्यक्रम में आवेदन की अंतिम तिथि को 30 जून से 20 जुलाई कर दिया है। परास्नातक पाठ्यक्रमों में अंतिम तिथि को 30 जून से वढ़ाकर 20 जुलाई 2021 कर दिया है।

स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों वीवीए और वीसीए एवं परास्नातक प्रवन्धन पाठ्यक्रमो एमवीए और एमआईटीएम आवेदन की अंतिम तिथि को वढ़ाकर 30 जून 2021 से वढ़ाकर 20 जुलाई 2021 कर दिया है। वी पी एड, एम पी एड एवं एम एड पाठ्यक्रमों के आवेदन की अन्तिम तिथि को 30 जून 2021 से वढ़ाकर 20 जुलाई 2021 कर दिया है। डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा, सर्टिफिकेट तथा प्रोफिशिएंसी पाठ्यक्रमों की आनलाइन आवेदन प्रक्रिया आवेदन की अन्तिम तिथि भी 30 जून 2021 से वढ़ाकर 20 जुलाई 2021 कर दिया है।

AMRIT VICHAR PAGE 2

लविवि में एमएससी पाठ्यक्रम में शामिल हुआ कोविड-19

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में एमएससी के पाठ्यक्रम में कोविड-19 को शामिल कर लिया है। बायो केमेस्ट्री विभाग ने इसे पाठ्यक्रम शामिल किया है। इस पाठ्यक्रम में कोरोना स्प्रेड, टेस्टिंग, वैक्सीनेशन और महामारी से जुड़े मिथ और प्रसार को पढ़ाया जाता है। बीते वर्ष कोरोना को कोर्स पढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया था और इस वर्ष इसे जनवरी के पहले बैच को पढ़ाया गया।

कोरोना महामारी ने जमकर तबाही मचाई हैं। उसे रोकने और बचाव के तरीकों को लेकर लगातार अध्ययन हो रहा है। उसी तर्ज पर लविवि के बायो केमेस्ट्री विभाग में भी कोविड-19 पर कोर्स तैयार किया गया और उसे एमएससी के प्रथम वर्ष के छात्रों को पढ़ाया गया। जिसे विद्यार्थियों ने पूरी तल्लीनता के साथ पढ़ा चूंकि यह ऐसा पाठ्यक्रम तैयार हुआ, जो वाकई में छात्र व समाज को बहुत कुछ सीखने के लिए मजबूर कर रहा है।बायो केमेस्ट्री विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुधील मल्होत्रा ने बताया कि 11 मार्च 2020 को डब्ल्यूएचओ ने इसे महामारी घोषित किया। उन्होंने बताया कि बायो केमेस्ट्री विभाग में क्लीनिक बायोकेमेस्ट्री एंड फिजियोलॉजी पढ़ाते हैं। इसमें कई प्रकार की बीमारियों के विषय में छात्र-छात्राओं को शिक्षित करते हैं। जब कोरोना महामारी के रूप में बीमारी उभरी तो उसके विषय में जानकारी को एकत्र किया और उसके विभिन्न रूपों को इस विषय में जानकारी हासिल कर देश के करीब 25 स्थानों में वेबीनार के माध्यम से बताया। इसके बाद शिक्षक साथियों ने सलाह दी कि इस पर पाठ्यक्रम बनाकर उसे छात्रों को शिक्षित किया जाना चाहिए।

JAGRAN CITY PAGE I

लविवि ने कानपुर विवि से मांगा फीस का ब्योरा

जासं, लखनऊ : छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर विश्वविद्यालय से हटकर लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हुए कई महाविद्यालयों ने अधिक फीस को लेकर आपत्ति जताई है। मंगलवार को इस संबंध में चार जिलों से महाविद्यालयों के प्रतिनिधि लविवि पहुंचे। प्रशानिक भवन में कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक सहित अन्य अधिकारियों ने उनके साथ फीस में होने वाली विसंगति पर चर्चा की। तय हुआ कि लविवि छत्रपति शाहूजी महाराज विवि कानपुर का फीस स्ट्रक्चर मंगाकर देखेगा। फिर इस पर निर्णय लिया जाएगा।

दरअसल, कानपुर विश्वविद्यालय के 350 महाविद्यालयों को शासन के आदेश पर लविवि से सम्बद्ध कर दिया गया है। अब नए सत्र से उनमें प्रवेश से लेकर परीक्षाएं कराने सहित सभी चीजों में लविवि के नियम लागू होंगे। कानपुर विश्वविद्यालय के ज्यादातर कालेजों ने लविवि की फीस दो से तीन गुना अधिक होने पर आपत्ति जताई है। कालेजों का तर्क है कि इतनी मंहगी फीस से कालेज चलाना मुश्किल हो जाएगा।

सेमेस्टर सिस्टम की वजह से ज्यादा है फीस: लविवि में सेमेस्टर सिस्टम लागू है। इसलिए हर सेमेस्टर की फीस जमा होती है। जबकि कानपुर विवि में वार्षिक प्रणाली चल रही है। इसी वजह से फीस में अंतर है। लविवि के कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह के मुताबिक कानपुर विश्वविद्यालय का फीस स्ट्रक्चर मंगाया जा रहा है।

PIONEER PAGE 3

लविवि में अगले साल से कम्प्यूटेशनल बायोलाजी की पढ़ाई

जासं, लखनऊ: लखनऊ विवि में अगले साल शैक्षिक सत्र 2022-23 से एमएससी इन कम्प्यूटेशनल बायोलाजी की भी पढ़ाई शुरू करने की तैयारी है। विश्वविद्यालय के ओएनजीसी सेंटर में संचालित इंस्टीट्यूट आफ डेवलपमेंट एंड एडवांस कम्प्यूटिंग के अंतर्गत यह पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा।

ओएनजीसी सेंटर के डायरेक्टर प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि कम्प्यूटेशनल बायोलाजी सिर्फ मदुरई कामराज यूनिवर्सिटी, अलप्पा विश्वविद्यालय के अलावा केरल के एक कालेज में पढ़ाई जाती है। प्राइवेट सेक्टर में नौकरी की संभावनाएं उन कंपनियों में ज्यादा होंगी, जहां बायोलाजी के उपकरण बनाए और बेचे जाते हैं। इस सेल्फ फाइनेंस कोर्स में 30 सीटों पर दाखिले होंगे। प्रति सेमेस्टर 30 हजार रुपये फीस तय होगी।

बीसीए में 120 सीटों पर दाखिले : लविवि ने अभियांत्रिकी एवं टेक्नोलाजी संकाय के अंतर्गत बीसीए कोर्स की सीटें 60 से बढ़ाकर 120 कर दी हैं। शैक्षिक सत्र 2021-22 में बढ़ी हुई सीटों पर भी दाखिले लिए जाएंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस प्रस्ताव पर अपनी सहमति दे दी है।

लविवि में दाखिले के लिए आवेदन की तिथि 20 जुलाई तक बढ़ी

लखनऊ। कोरोना महामारी के चलते लॉक डाउन के चलते विवि में प्रवेश के इच्छुक छात्रों के समक्ष आ रही परेशानियों को देखते लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने मंगलवार को प्रवेश हेतु आवेदन की तिथि विस्तारित कर दी है। सत्र 21-22 के तहत छात्र स्नातक पाठ्यक्रमों एवं बीएलएड पाठ्यक्रम में 20 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। पूर्व में प्रवेश की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित थी। विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक परास्नातक पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि को 30 जून से बढ़ाकर 20 जुलाई कर दिया है। इसी तरह स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों एवं परास्नातक प्रबन्धन पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि 20 जुलाई की गई है। बीपीएड, एमपीएड एवं एमएड पाठ्यक्रमों के आवेदन की अन्तिम तिथि को 20 जुलाई किया गया है।